वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 212 | गुरुवार 28 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल से डेयरी एवं पशुपालन मंत्री कुमावत ने मुलाकात की

जयपुर. कंचन केसरी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को राजभवन में राज्य के डेयरी एवं पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे डेयरी एवं पशुपालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल से कुमावत की यह शिष्टाचार भेंट थी।

पीले रंग की थीम पर विकसित होगा एमआई रोड बाजार

सिटी पैलेस की तर्ज पर संवरेगा बाजार, पेड पार्किंग की व्यवस्था भी व्यापार मंडल खुद ही संभालेगा

जयपुर. कासं

एमआई रोड बाजार फिर से पीले रंग की थीम पर विकसित किया जाएगा। इसका पुराना वैभव लौटाने की कवायद शुरू हो गई है। यही नहीं, बाजार में पेड पार्किंग की व्यवस्था भी व्यापार मंडल खुद ही संभालेगा। इसे लेकर बुधवार को एमआई रोड व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की विशेष बैठक बुलाई गई। इसमें निर्णय लिया गया है कि बाजार का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसकी थीम रियासतकालीन पीले रंग की रखी जाएगी। यही नहीं, यहां की प्रत्येक दुकान व भवन के आगे एक या दो पीले रंग की एलईडी लाइटें लगाई जाएगी, ताकि इसकी सुंदरता दूर से ही नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि जयपुर का मूल रंग पीला ही था, जयपुर के राजाओं का मानना था कि व्यापार और माता लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए पीला ही रंग श्रेष्ठ बताया गया है। पहले परकोटे के बाजार भी पीले रंग के ही थी, इसलिए सरगासूली व त्रिपोलिया गेट का रंग आज भी पीला ही रखा हुआ है। यही नहीं सिटी पैलेस का रंग भी पीला ही है। इसीलिए दुकानों के बाहर जो फुटपाथ है, उस पर भी पीला पत्थर लगाने के लिए स्मार्ट सिटी के साथ मीटिंग रखी गई है, ताकि पर्यटक आकर्षित हो। बाजार को एकरूप में लाने के लिए जो भी कदम उठाए जाएंगे उसके लिए व्यापार मंडल की और से सभी व्यापारियों को सर्कुलर जारी किया

जाएगा। यह जानकारी व्यापार मंडल के महामंत्री सुरेश सैनी ने दी। बैठक व्यापार मंडल के अध्यक्ष एचएस पाली की अध्यक्षता में हुई, जिसमें मंत्री सुरेंद्र गुप्ता, सह मंत्री चंद्रप्रकाश सैन, कार्यकारिणी सदस्य मोहनलाल कुमावत व आमोद अरोड़ा शामिल हुए। व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है और मुलाकात भी करेंगे। ताकि बाजार को शनिवार व रविवार के दिन वन-वे से मुक्त किया जाए और पर्यटकों को बाजार में घूमने में आसानी हो सके। व्यापारियों का मानना है कि अभी बाजार हाइवे के रूप में काम में लिया जा रहा है और यहां ग्राहक रुकता ही नहीं है।

राइजिंग राजस्थान

ग्लोबल बिजनेस एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राजस्थान की क्षमता होगी प्रदर्शित

RISING™ RAJASTHAN
9-10-11 DEC 2024 • JAIPUR
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हो रहे 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो का भी आयोजन किया जाएगा और इसमें राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे। इस ग्लोबल एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राज्य की क्षमता प्रदर्शित की जाएगी और देश के औद्योगिक परिदृश्य में राजस्थान की अहम भूमिका को दिखाया जाएगा। इस एक्सपो में कई पैवेलियन भी लगाए जाएंगे, जिनमें प्रमुख होगा राजस्थान का स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन और कुछ चुनिंदा देशों, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए लगाए जाने वाले पैवेलियन। राजस्थान के स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन में राज्य के बारे में विशिष्ट जानकारियां दी जाएंगी। इसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था, समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों, प्रमुख और नये या उभरते हुए व्यवसायिक क्षेत्रों वगैरह के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इसमें मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा और ग्रामीण परिदृश्य को बेहतर बनाने और शहरी सुविधाओं को पुनर्जीवित करने में उनके प्रभाव के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा, इसमें उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट सार्वजनिक वितरण और विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों को भी इंटरैक्टिव पैनलों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा, स्टार्ट-अप पैवेलियन में राज्य में मौजूद स्टार्ट-अप्स को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें राज्य की प्रमुख महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप्स भी शामिल हैं।

नाटकवाला अभिनयशाला के अंतर्गत नाट्य कार्यशाला का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। बुधवार दिनांक 27 नवंबर से रंग कलाकार ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में नये नाटक का पूर्वाअभ्यास की जवाहर कला केंद्र में शुरूआत हुई है। नाटक के निर्देशक ओम प्रकाश सैनी ने बताया की, यह नाटक तैयार करके आगामी माह दिसम्बर में जवाहर कला केंद्र, रविंद्र मंच जयपुर एवं आमेर के नाटकवाला कला मंच पर किये जायेंगे ' जिससे नाटक के मंचन को ज्यादा से ज्यादा लोगो एवं नये दर्शकों को नाटक और रंगमंच से जोड़ा जा सके ' ओम प्रकाश सैनी नाटकवाला कला मंच के तहत नाटक और रंगमंच का प्रचार प्रसार करने में लगे। मुख्य रूप से गाँवो में रंगमंच के विकास के लिये काम कर रहे है, साथ जयपुर में रंगमंच में सुचारु रूप से पिछले 12 वर्षो से सक्रिय है ' वर्तमान में ओम प्रकाश नये कलाकारों के साथ नये नाटक तैयार कर उनके मंचन जयपुर शहर के रविंद्र मंच एवं जवाहर कला केंद्र में तैयार कर ग्रामीण क्षेत्र में नाटक के मंचन करने में लगे है ताकि शहर और गाँवो के बिच के कला और रंगमंच के बीच में तालमेल बैठाया जा सके ' और ग्रामीण क्षेत्र में रंगमंच की समझ को विकसित किया जा सके जिससे ग्रामीण क्षेत्र में नाटक और रंगमंच का विकास हो ग्रामीण क्षेत्र में भी रंगमंच के कलाकारों को तैयार किया जा सके और आगे भविष्य में गाँवो में भी रंगशालाओ का निर्माण हो सके और उन पर सभी प्रदर्शनकारी कलाओ का प्रदर्शन हो सके गाँवो के कलाकारों को गाँवो में ही एक विकसित मंच मिल सके और दर्शकों को बैठने के लिये दर्शक दीर्घा ' नाटक के शुभारम्भ में मौजूद साथी कलाकार युवा रंगकर्मी विकास सैनी ने बताया की ओम प्रकाश की यह सोच व उच्च विकार कला के विकास के लिये उत्कर्ष प्रयास है।

आंगनवाड़ी में शिक्षा ग्रहण करने वाले 27 बच्चों के लिए स्वेटर भेंट

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवामहिला संभाग अजमेर के द्वारा समिति संरक्षक राकेश पालीवाल एवं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के सहयोग से पहाड़गंज क्षेत्र की जनता कॉलोनी आंगनवाड़ी में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले 27 नन्हे मुन्ने बच्चो को सर्द हवाओ से बचाने के लिए गर्म वस्त्र की सेवा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजकुमारी को भेंट की गई। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि सर्द ऋतु प्रारंभ हो चुकी है ऐसे में समिति द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत समिति संरक्षक राकेश पालीवाल,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने स्वेटर की सेवा खुशी परियोजना की गायत्री वर्मा कॉर्डिनेटर विजय दीक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजकुमारी को भेंट की जिन्हें वे बच्चो के अभिभावकों के सम्मुख बच्चो को पहनाएगी।

ग्राम सभा में हुआ सामाजिक अंकेक्षण और दिलाई बाल विवाह के खिलाफ शपथ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा कस्बे के भारत निर्माण राजीव गाँधी सेवा केंद्र पर राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अनुपालना में सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम वर्ष 2024-25 माह नवंबर (तृतीय चरण) पर सरपंच भंवर सिंह गौड की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कनिष्ठ लिपिक रतन लाल राव ने बताया की उक्त ग्राम सभा में सर्व प्रथम पूर्व बैठकों को सदन पढ़कर सुनाया गया और विभाग के आदेशानुसार महात्मा नरेगा व प्रधान मंत्री आवास योजना व एसबीएम में स्वीकृत शौचालयों का अवधि 1 अप्रेल से 30 सितम्बर 2024 तक (प्रथम छः माहि) 2024-25 जिसका सामाजिक अंकेक्षण 21नवंबर से 24 नवंबर तथा ग्राम सभा आयोजन की दिनांक 27 नवंबर तक का सामाजिक अंकेक्षण किया गया।

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय

श्री सुरेश कुमार जी बज (SBBJ)

पुत्र स्व. श्री कपूर चंद जी बज का आकस्मिक निधन 27-11- 2024 को हो गया हैं। **तीये की बैठक 29-11-2024** प्रात: 9:00 बजे तोतूका भवन भट्टारक जी की नशियां नारायण सिंह सर्किल पर होगी।

शोकाकुल: कुसुम लता बज (धर्मपत्नी) , चिंतामणी - आशा , सुशील, सुधा, कांता, रवीन्द्र - पूजा बज (भ्राता -भ्राता वधु) , अभिषेक- तृप्ति (पुत्र- पुत्रवधु) सुनिला- शैलेश बाकलीवाल , मोनिका - स्व. राजकुमार जैन (सूरत) - रजनी -मनीष घी वाले, अभिलाषा - प्रमोद पाटौदी (पुत्री- पुत्रीदामाद) , अतिशा (पौत्री) दिनेश, संदीप, मनीष , शैलेश , राजेश , राजीव , दीपक, राजन ,आदित्य , शशांक, निशांत (भतीजे) जानवी , वंशीका, दिव्यांश , नमन, निषित , निमिषा (दोहते- दोहती) नवीन अजमेरा (भांजा) व समस्त बज परिवार।

ससुराल पक्ष: राकेश, मुकेश, दिव्यांशु अजमेरा ।

सम्पर्क: 99295 90173

गुरु तो चला जाएगा लेकिन गुरुवाणी सदैव रहेगी: मुनि श्री नीरज सागर

मुनि संघ का मंगल विहार कैथुली की ओर

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। रामगंजमंडी के बाजार नंबर 1में स्थित दिगंबर जैन मंदिर में विराजित मुनि श्री 108 नीरज सागर महाराज ने धर्म सभा में प्रवचन देते हुए कहा कि उलझन से सिर्फ गुरु ही मुक्ति दिला सकते हैं, गुरु की संगति से शुभ कार्य होते हैं। गुरु से मिलन हो गया तो जीवन की नैय्या पार हो जाती है। गुरु को कभी भी देह से नहीं मानना चाहिए। गुरु तो चला जायेगा लेकिन गुरुवाणी सदैव रहेगी। श्वेतांबर श्रीसंघ अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया कि यह बात मुनिश्री नीरज सागर ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज को इंगित करके कही। गुरु से शिक्षा अभिमन्यु अर्जुन एकलव्य तीनों ने ली लेकिन एकलव्य की शिक्षा बिना गुरु के हुई उन्होंने गुरुवाणी और गुरु की प्रतिमा बनाकर शिक्षा प्राप्त की और धनुरविद्या में इतने निपुण बने कि भोकते हुए कुत्ते का मुंह बाणों से चुप करा दिया। अपने प्रवचन में मुनि श्री ने कहा कि किसी से बिना मिले या संबंध बनाए बिना उसके प्रति कोई धारणा नहीं बनावे सुनकर या देखकर धारणा बनाना गलत होता है। कोई भी चीज अच्छी या बुरी नहीं होती मात्र हमारा दृष्टिकोण उसे अच्छा या बुरा बना देता है प्रवचन में लाइट चले जाने पर मुनि श्री ने कहा कि अच्छे कार्यों में बाधा आती है कर्म का खेल काल और समय के साथ चलता है, पर धर्म हमेशा पुरुषार्थ से चलता है। जीवन में खुशी का मंत्र देते हुए मुनि श्री नीरज सागर महाराज ने कहा कि दूसरों की बुराई नहीं देखे और अप्रिय घटना को याद नहीं करें दुख से उभरने का मंत्र देते हुए मुनि श्री ने कहा कि जब 5 साल पुराना कैलेंडर नहीं रखते तो 20 साल पुरानी बातें क्यों याद रखते हो।

धर्म की रक्षा के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए: मुनि श्री निर्मद सागर महाराज

धर्म सभा में मुनि श्री 108 निर्मद सागर महाराज ने कहा कि बिखरने से समाज को नुकसान होता है युवाओं को धर्म की रक्षा करने के लिए आगे आना चाहिए सभी युवाओं को अखाड़े में जाना चाहिए जैनी लड़ते बहुत है पर आपस में आपस की लड़ाई को खत्म करने की नसीयत दी उन्होंने उपस्थित लोगों से धर्म के कार्य में आगे और पाप कार्य में हमेशा पीछे रहने को कहा। जीवन को अच्छा बनाने के लिए किसी में बुराई नहीं देखें वह किसी की बुराई नहीं करें जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि चश्मा जिस तरह का लगाओगे वैसा ही दिखेगा। अपनी जबान को मीठा बनाया तो आपके कान अपने आप मीठा सुनेंगे सोच अच्छी है तो बुरे में भी अच्छा दिखेगा सोच खराब है तो अच्छे में भी बुरा दिखेगा संत निर्मद सागर महाराज ने एक शेर सुनाया...कमियों से जुदा मै भी नहीं तू भी नहीं मैं तुझे नहीं जानता तू मुझे नहीं जानता खुदा मै भी नहीं खुदा तू भी नहीं अपनी वाणी को झरने की तरह बनाओ, झरना पत्थर को काटकर अपना स्थान बना लेता है। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी को संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी की प्रथम पुण्यतिथि है उनके पांव के पगलिए अपने मंदिरों में स्थापित करने चाहिए इस पर सुरेश कुमार सिद्धार्थ कुमार बाबरिया ने कैथुली में संत शिरोमणि के पगलिए स्थापित करने की घोषणा की मुनि श्री ने कहा कि जहां संत शिरोमणि विद्यासागर जी की समाधि है वह जगह अपने आप में एक तीर्थ है। मंगलवार को रात्रि को 2 घंटे का 64 रिद्धि मंत्र विधान हुआ जिसमें लगभग 70 जोड़े बैठे और दीप आराधना की मुनि श्री नीरज सागर महाराज ने इस विधान की महिमा बताते हुए कहा कि 64 रिद्धि धारी मुनि हम सभी का कल्याण करें रिद्धि धारी मुनियों के प्रभाव से सभी प्रकार की महामारी स्वयंमेव खत्म हो जाती है। 4500 दीपकों के इस विधान के मुख्य जजमान श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ अध्यक्ष एवं युवा दल सचिव राजकुमार पारख और उनकी धर्मपत्नी वीजीता पारख का दिगंबर जैन समाज द्वारा दोनों मुख्य जजमानों का श्रीफल देकर माला पहनाकर स्वागत किया। राजकुमार पारख ने मुनि द्वय का जजमान बनाने के लिए आभार प्रकट किया बुधवार के प्रवचन में मंगलाचरण सुधा डूंगरवाल ने किया और आकाश शास्त्री ने भजन सुनाया धर्म सभा में दिगंबर समाज के सैकड़ो पुरुष और महिलाएं रही उपस्थित संचालन धर्मेंद्र लुहाड़िया ने किया बुधवार को मुनि श्री नीरज सागर महाराज का आहार शांतिलाल गौतम कुमार एवं मुनि श्री निर्मद सागर महाराज का आहार सुरेश कुमार सिद्धार्थ कुमार बाबरिया परिवार के यहां हुआ। दोपहर की बेला में महाराज श्री का मंगल विहार रामगंजमंडी से कैथुली ओर हुआ। -**अभिषेक लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

पंचकल्याणक महोत्सव बानपुर, तृतीय दिन

श्रद्धा पूर्वक मनाया तपकल्याणक, उमड़े श्रद्धालु

नीलांजना का नृत्य देख ऋषभदेव को हुआ संसार से वैराग्य, हुई दीक्षा विधि। अपने रूप को नहीं चारित्र को चमकाओ : मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज

मुनिश्री बोले संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं

ललितपुर. शाबाश इंडिया। शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र बानपुर में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज, आर्यिका श्री विजिज्ञासामती माता जी ससंघ के सान्निध्य में चल रहे श्री आदिनाथ श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में 27 नवंबर बुधवार को तपकल्याणक महोत्सव अगाध श्रद्धा के साथ मनाया गया। दीक्षाकल्याणक विधि विधान के साथ आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा,जन्मकल्याणक पूजन, हवन आदि पंचकल्याणक महोत्सव के पात्र माता- पिता वीरेंद्र कुमार जैन,सौधर्म इंद्र सुनील कुमार- प्रीति सुंदरपुर, कुबेरइंद्र इन्द्रकुमारजैन - आरती बानपुर, महायज्ञनायक नितिन जैन- नम्रता जैन टीकमगढ़, यज्ञनायक रवींद्र कुमार- शोभा बानपुर, ईशान इंद्र राजेश जैन- राजुल सिंघई बानपुर, सानतइंद्र सुनील कुमार-आभा सिंघई बानपुर, माहेंन्द्र इन्द्र सुनील जैन- ममता सिंघई बानपुर, लांतवइंद्र पवन जैन- साधना सिंघई बानपुर, ध्वजारोहण कर्ता नायक देवेंद्र कुमार जैन आदि ने श्रद्धा भक्ति के साथ गया। इस मौके पर समाज श्रेष्ठी जनों द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किया गया। दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। प्रातः 9 बजे आध्यात्मिक संत, मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने अपनी दिव्य देशना में सम्बोधित करते हुए कहा कि चमकते शरीर को पाकर अभिमान मत करना, यह क्षण भंगुर है, अपने चारित्र को चमकाना। पाषाण में संस्कार दे दिए जायं तो तीर्थ बन जाते हैं और इंसान को संस्कार दे दिए जाएं तो तीर्थंकर बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि दिखावे, प्रदर्शन और मठाधीश बनने के लिए कभी भी संत, साधु मत बनना, निज को देखने के लिए संत , मुनि बनना। संसार का सुख-दुःख कर्म के रूप में है। जब वैराग्य आता है तो संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं। जैसे आज आपने देखा आदिनाथ को कैसे संसार से वैराग्य हो गया। उनके पास संसार के सारे वैभव हैं लेकिन जब उन्हें वैराग्य आया तो सारे वैभव को त्याग कर दिगंबरत्व को धारण करते हैं। संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है, अस्थिर है, किन्तु आत्मा का रूप आलौकिक है, आत्मा की संपदा अनंत अक्षय है। दोपहर में महाराजा नाभिराय का दरबार लगाया गया, जिसमें आदिकुमार का राज्याभिषेक, राजतिलक, राज्य व्यवस्था, 32 मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा

भेंट समरोण, ब्राह्मी-सुंदरी को शिक्षा एवं असि,मसि, कृषि, विद्या आदि षट्कर्म, दंडनीति को महोत्सव के पात्रों द्वारा दर्शाया गया। नीलांजना का नृत्य देखकर आदिनाथ को वैराग्य की उत्पत्ति हो जाती है, लौकांतिक देवों द्वारा स्तवन और दीक्षा वन प्रस्थान को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठते हैं। युवराज भरत बाहुबली व बाहुबली राज्य तिलक दीक्षा अभिषेक दीक्षा वन आगमन, दीक्षा कल्याणक संस्कार विधि की गई। आर्यिका विजिज्ञासामती माता जी ने अपने सम्बोधन में संसार की असारता बताते हुए जीवन को क्षणभंगुर बताया। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव की आयोजन समिति व सकल जैन समाज, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों का उल्लेखनीय योगदान रहा इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विधि विधान की क्रियाएं ब्र. साकेत भैया के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश शास्त्री गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य पंडित अखिलेश शास्त्री ने संपन्न कराईं।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

यह मनुष्य के सामने आदिकाल से ही सबसे बड़ा प्रश्न रहा है कि मैं कौन हूं? बहुत से लोग आए और जीवन भोगकर चले गए, किंतु इस प्रश्न के प्रति बेपरवाह रहे। संसार के मायावी आकर्षण ने उन्हें इतना चकाचौंध कर दिया कि उन्हें कभी अपने निकट आने और स्वयं को समझने का समय ही नहीं मिला। वे भाग्यवान थे कि जिन्होंने अपने सच को पहचाना और इसे धारण कर मोक्ष को प्राप्त हुए। धर्म ग्रंथों और धर्म पुरुषों की वाणी में जीव को पंच तत्वों- धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश- से मिलकर बना हुआ माना गया है, जिसका अंत निश्चित है। ये पांचों तत्व सृष्टि में प्रचुरता में उपलब्ध हैं। जीव की मृत्यु के बाद ये पांचों तत्व अपने मूल में लौट जाते हैं। मनुष्य जब संसार में अपनी पहचान 'मैं' के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, तो वह एक भ्रम में जी रहा होता है। इस 'मैं' में उसका कुछ भी नहीं होता है। सारा कुछ ग्रहण किया गया है और निश्चित रूप से लौट जाने वाला है। मनुष्य का 'मैं' वास्तव में स्थापित हो ही नहीं सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी कोई ज्ञात अवधि नहीं है। पल भर में उसका विनाश हो सकता है। आज तक कोई जान नहीं सका है कि उसका जीवन कितने दिनों, कितने पलों का है, इस ज्ञान को दोहराने वालों की कमी नहीं है, किंतु इस पर विश्वास करने वालों का घोर अभाव है। हर कोई ऐसे व्यवहार कर रहा है कि मानों वह कोई विशिष्ट है और उसे सदियों तक जीवित रहना है। अपने बारे में जानना, अपनी रचना और अपने नाशवान होने के बारे में विश्वास करना है। यह विश्वास उसके आचरण को बदल देता है और उस परम शक्ति के निकट ले जाता है, जिसने उसे रचा है और जीवन दिया है। वास्तव में अपने आप में अपने जैसा कुछ भी नहीं है। यदि अपने जैसा कुछ भी शेष नहीं रहने वाला तो कैसा अहंकार? मनुष्य का अहंकार ही उसकी अधिकांश समस्याओं का मूल है और ईश्वर से दूर ले जाने वाला है। ईश्वर से दूर रहना जीवन के लक्ष्य से भटकना है। पंच तत्वों से बने तन के अंदर की चेतना अथवा आत्मा कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं परमात्मा का ही अंश है। मनुष्य योनि उस बिछड़ी हुई आत्मा का परम आत्मा से मेल का अवसर है, ताकि वह आवागमन के चक्र से मुक्त हो सके। 'मैं' के सच को धारण कर के ही 'मैं' से मुक्त हुआ जा सकता है और परमात्मा की अनुभूति की जा सकती है।

संपादकीय

भारतीय संविधान के आगे चुनौतियां...

देश का संविधान अपनी हीरक जयंती मना रहा है, तो इस अवसर पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह के महत्व और जम्मू-कश्मीर में पहली बार संविधान दिवस मनाए जाने के निहितार्थ बखूबी समझे जा सकते हैं। भारत और इसके नागरिकों के लिए यह वाकई गर्व की बात है कि जब-जब देश को जरूरत पड़ी, उसके पुरखों द्वारा वर्षों की मेहनत से तैयार इस पवित्र और सुदीर्घ ग्रंथ ने देश व देशवासियों का मार्गदर्शन किया। देश के

लोग अपने संविधान से कितने जुड़े हैं और उनकी निगाह में इसका क्या सम्मान है, हालिया आम चुनाव के जनादेश ने शिद्दत से इसका एहसास कराया है। इसलिए राष्ट्रपति ने भारतीय की ताकत को रेखांकित करते हुए उचित ही कहा कि बदलते समय की मांग के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था हमारे दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बनाई थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है। गौर कीजिए जिस आई तैयार हो रहा था तब हिन्दुस्तान की आबादी लगभग 36 करोड़ थी, आज वह संविधान 140 करोड़ से अधिक भारतीयों के हितों का संरक्षण कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारतीय संविधान के आगे चुनौतियां नहीं आई। संविधान को लागू हुए जितने पाल गुजरे हैं, उनके मुकाबले यदि अनुच्छेद 356 के उपयोगऔर सरकारों की बस्ती की संख्या को ही मिले तो इसकी पुनीतियां स्पष्ट हो जाएंगी। अब तक 130 से भी अधिक बार इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया जा है फिर 1975 का आपका तो इस पर थोपे गए संकटका सबसे बड़ा उदहरण है। कई बार विधायक व व्यापालिका में तो कई बार कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच तनातनी की स्थितियां बनी मगर हरेक बार संविधान ने ही रास्ता दिखाया और मर्यादित समाधान निकल सके। अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर अब वैधानिक अंकुश लग चुका है,जिससे संघीय ढांचा मजबूत हुआ है। दो दिन पहले ही संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्दों को निकालने के लिए दायर याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की यह आश्वस्त करती है कि संविधान के बुनियादी ढांचे के साथ किसी किस्म की दुस्साहसिक छेड़छाड़ मुमकिन नहीं है। हमारे इर्द-गिर्द के लोकतंत्रों की दुर्दशा भी बताती है कि भारतीय संविधान के निमार्ता कितने दूरदर्शी और काबिल लोग थे हमारे साथ ही आजाद हुए कई पड़ोसी लोकतंत्र जो तब आर्थिक मोर्चे पर हमसे कहीं बेहतर स्थिति में थे, आज दिवालिया होने के मुहाने पर हैं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया को पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। भारतीय लोकतंत्र की कामयाबी और इसकी राजनीतिक स्थिरता का इसमें बड़ा योगदान है। जिस सहजता के साथ यहाँ सत्ता का हस्तांतरण होता रहा और इसके राजनीतिक व ने लोकतात्रिक मूल्यों का निर्वाह किया है, वह दुनिया के लिए नजीर है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

दिल्ली की दमघोंटू हवा

पिछले कई दिनों से राजधानी दिल्ली की हवा कैसी है, यह जगजाहिर है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रदूषण में लगातार बढ़ोतरी की वजह से यहां प्रतिबंधों के स्तर को और ज्यादा सख्त करने की जरूरत पड़ रही है। इसके बावजूद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कोई राहत मिलती नहीं दिख रही। हवा में घुले धुएं और धुंध की वजह से लोगों की परेशानियां कम नहीं हो रहीं हैं, सेहत के सामने कई तरह की मुश्किलें गहरा रही हैं। इस मसले पर शीर्ष अदालत तक को सख्ती बरतने का आदेश जारी करना पड़ा है और उसने प्रदूषण पर काबू पाने के लिए लागू किए गए उपायों की निगरानी करने की भी जरूरत बताई है। लगातार बढ़ती मुश्किलों के मद्देनजर इस उम्मीद में दिल्ली में ग्रैप-4 के नियम लागू किए जा चुके हैं कि प्रदूषण से उपजी स्थिति में कुछ सुधार होगा। मगर सरकार की ओर से तमाम उपायों को सख्ती से लागू करने के दावे के बरक्स हकीकत यह है कि राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ से ऊपर दर्ज किया गया। गौरतलब है कि ग्रैप-4 के तहत दिल्ली में बाहर से आने वाले वाहनों के सीमित प्रवेश को लेकर जो नियम लागू किए गए हैं, उनके सख्ती से पालन को लेकर कई सवाल उठे हैं। वाहनों के दिल्ली में दाखिल होने की जगहों पर सख्त निगरानी लागू करने पर जोर देने से लेकर कृत्रिम बारिश कराने तक पर विचार किया जा रहा है। मगर इस क्रम में नियमों के असर और उनके विरोधाभास को लेकर भी ऊहापोह की स्थिति बन रही है। प्रदूषण की रोकथाम के मद्देनजर पहले ही दिल्ली में पेट्रोल और डीजल से चलने वाली कारों के लिए क्रमशः पंद्रह और दस वर्ष की सीमा तय की गई है। मगर फिलहाल बाहर से दिल्ली में प्रवेश करने वाली गाड़ियों को जिस तरह प्रतिबंधित किया गया है, उसमें इससे कम अवधि वाले वाहन भी प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में आवाजाही के लिए सार्वजनिक परिवहन की हालत यह है कि बसों से गंतव्य तक सही समय पर पहुंचना संभव नहीं रह गया है। वहीं मेट्रो भी अब समय और जरूरत के तकाजे के बोझ से दब रही है। सवाल है कि इस वर्ष फिर ठंड की आहट के साथ ही प्रदूषण की वजह से उपजी समस्या के गहराते जाने के बाद दिल्ली सरकार ने जो शुरूआती उपाय किए, उससे राहत क्यों नहीं मिली! अब ग्रैप-4 के भी नियम लागू किए जाने के बावजूद राजधानी की हालत ऐसी क्यों बनी हुई है कि सुप्रीम कोर्ट को भी स्कूलों के संचालन और अन्य स्तर पर नियंत्रण को लागू करने की हिदायत देनी पड़ी है। प्रदूषण का जो स्तर बना हुआ है, उस पर काबू पाने के लिए हर उचित उपाय किए जाने चाहिए। इससे किसी को असहमति नहीं होगी। मगर क्या इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होनी चाहिए कि उन उपायों से आम लोगों को राहत मिलने के बजाय उनकी परेशानियों में इजाफा ही हो जाए। दिल्ली में वायु गुणवत्ता की दशा जिस पैमाने तक पहुंच गई है, उसमें बाहर से आने वाले वाहनों के यहां सीमित प्रवेश को लेकर लागू नियम का अपना महत्त्व हो सकता है। लेकिन इसके बावजूद अगर दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक में कोई सुधार नहीं हो रहा है, तो इसकी क्या वजहें हैं? प्रदूषण से निपटने के वास्तविक उपायों को लागू करने के मोर्चे पर निरंतरता सुनिश्चित किए बिना तात्कालिक सख्तियों से कितनी राहत मिल सकेगी?

गवर्नमेंट स्कूल को हेप्पी स्कूल बनायेगा इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ

तीन पंखे उपलब्ध करवाकर अन्य सामग्री शीघ्र उपलब्ध करवाने का किया वायदा

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नार्थ द्वारा लालबुर्ज के समीप संचालित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ब्रजराजपुरा स्कूल में छात्राओं के उपयोग के लिये तीन पंखे उपलब्ध करवाये गये, साथ ही सभी छात्राओं को ड्राई फ्रूट्स के पैकेट भी वितरित किये गये। क्लब सदस्यों द्वारा छात्राओं से अवैरनेस से सम्बन्धित प्रश्न भी किये गये और उनको विस्तृत जानकारी भी दी गई । सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता, अंजू गर्ग एवं आई एस ओ शशि झंवर द्वारा अवैरनेस के सही उत्तर देने पर छात्राओं को पुरस्कार भी दिए गये प्रेसिडेंट सरिता भूटानी ने बताया की क्लब द्वारा स्कूल को हेप्पी स्कूल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, इसके लिये आवश्यकतानुसार स्कूल में उपयोगी सामान दिया जा रहा है आगे भी दिया जायेगा, जैसे टॉयलेट रिपेयरिंग, कम्प्यूटर, वाइट वाश आदि की व्यवस्था जनवरी तक करवाने का प्रबन्ध किया जायेगा।

राजापार्क गुरुद्वारे की नितनेमी संगत ने लगाया कपड़ों का लंगर

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजापार्क गुरुद्वारा साहिब की ''नितनेमी संगत'' ने सुबह 6.30 बजे दिहाड़ी पर अपने रोजगार पर निकले 125 लोगों के लिए कपड़ों का लंगर लगाया। कपड़ा वितरण कार्यक्रम से पहले राजापार्क गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जगदीश सिंह ने नितनेमी संगत से अपील की। अपने घरों से प्रेस करवाकर 5 कपड़े जरूरतमंदों के लिए जरूर लाएं, इस मुहीम में हिस्सेदारी दर्शाए ताकि ''नर सेवा-नारायण सेवा'' को सार्थक किया जा सके। कपड़े राज खालसा ऐड द्वारा उपलब्ध करवाए गए। संस्था द्वारा संचालित क्लॉथ बैंक में दानदाता अपने स्पेयर क्लॉथ दान देते हैं जिन्हें प्रेस करवा कर लाभार्थियों को बांटे जाते हैं। क्लॉथ बैंक के मुख्य संचालक ओंकार सिंह ने बताया कि लोग अपने बच्चों के जन्म दिन पर, बाजार से नए कपड़े खरीद कर जरूरतमंदों को बांटने हेतु संस्था को डोनेट कर जाते हैं और अपनी खुशियां बांटते हैं। राजापार्क गुरुद्वारा साहिब में स्थित क्लॉथ बैंक में कपड़े बांटने की नियमित सेवा सायं 3 से शुरू होती है।

दिगंबराचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ का निम्बाहेड़ा में मंगल प्रवेश हुआ

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निम्बाहेड़ा। राष्ट्रीय संत दिगंबराचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ नगर आगमन पर दिगम्बर जैन समाज कि अगुवाई में नगरवासियो ने पलक पावंडे बिछाकर भावभीना स्वागत अभिनंदन किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार राष्ट्रीय संत श्री सुनील सागर जी महाराज के विशाल संघ के नगर आगमन पर श्री सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुशील काला ओर महामंत्री मनोज पटवारी कि अगुवाई में सकल जैन श्री संघ द्वारा अरिहंत ट्रांसपोर्ट पर भावभीना अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित धर्मावलम्बीयो ने मुनि वृंदो कि अगवानी कि ओर श्रद्धा से आरती ओर पद प्रक्षालन कर उनके प्रति अभी भक्ति दर्शाई दोपहर पश्चात विहार्थियों ने नगर कि ओर मुनि संघ को विहार

कराते हुए नगर के आरके कॉलोनी मार्ग स्थित कल्याण चौक पर सैकड़ो श्रद्धालुओं कि उपस्थिति में भावभीना स्वागत करते हुए उनके चरणों में श्री फल अर्पित किये। हजारों अनुनायियों ने स्वागत जुलुस का आदर्श कॉलोनी मार्ग में जगह जगह आचार्य श्री के पद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया तत्पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन आदिनाथ मांगलिक भवन में हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को आचार्य सुनील सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर का संदेश जन-जन को तप ओर शाश्वतता कि शिक्षा देता है। भगवान श्री राम अपनी मयार्दा के संदेश में जन-जन को नियमित संयम जीने का सन्देश देता है इसी तरह बुद्ध जन-जन को सदा वात्सल्य से रहने कि शिक्षा देते है तों भगवान कृष्ण गौ सेवा करने के सन्देश को प्रतिपादित करते है उसी तारतम्य में देखा जाए तों वर्तमान में हम जैसे तपस्वी साधू संत जन-जन को सदाचार शाकाहार का पाठ पढ़ाते है। धर्मसभा में पूर्व विधायक अशोक नवलखा सहित नगर भाजपा अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी सहित विविध समाज संस्थाओ ने आचार्य संघ कि चरण वंदना कर श्री फल चढ़ाया ओर आशीर्वाद लिया, मुनि संघ ने नगर संत समुदाय को अनवरत विहार कराने के लिए विहार समिति कि प्रशंसा करते हुए सद कार्य का आशीर्वाद दिया। देर रात्रि तक मुनि संघ ने श्री शान्तिनाथ दिगम्बर मन्दिर में विविध धार्मिक कार्य सम्पन्न कराये ओर श्रद्धालुओं कि जिज्ञासाओ का प्रश्न मंच के माध्यम से समाधान किया।

मुंबई इंडियंस युवा क्रिकेटरों को निखारने की परंपरा जारी रखेगी: नीता अंबानी

युवा खिलाड़ियों को तराशने पर जोर

मुंबई. शाबाश इंडिया। मुंबई इंडियंस की मालिक नीता एम. अंबानी ने सोमवार को जेद्दाह में आयोजित आईपीएल नीलामी के बाद टीम में कई युवा खिलाड़ियों को शामिल करने पर अपनी खुशी जताई। उन्होंने टीम की उस परंपरा को रेखांकित किया, जो भारतीय क्रिकेट के लिए नई प्रतिभाओं को निखारने और विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए जानी जाती है। नीता अंबानी ने कहा, ''मेगा नीलामी का मतलब है नई शुरूआत और नई टीम, लेकिन मुंबई इंडियंस का जोश और जज्बा हमेशा पहले जैसा है। हमें गर्व है कि हमने कुछ नए प्रतिभावान चेहरों का स्वागत किया है और अपने पुराने खिलाड़ियों को भी वापस लाने में कामयाब हुए हैं। हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे मजबूत कोर खिलाड़ियों के आसपास एक नई टीम का निर्माण किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए यह गर्व की बात है कि जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी मुंबई इंडियंस से निकलकर भारतीय टीम में अपनी जगह बना सके। अब हमारे पास नमन धीर, रॉबिन मिंज, अश्वनी कुमार और राज अंगद बावा जैसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्हें हम निखारने और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मौका देंगे।''

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी द्वारा रचित काव्य कृति वस्तुत्व महाकाव्य मुनि श्री प्रमाण सागरजी को भेंट की

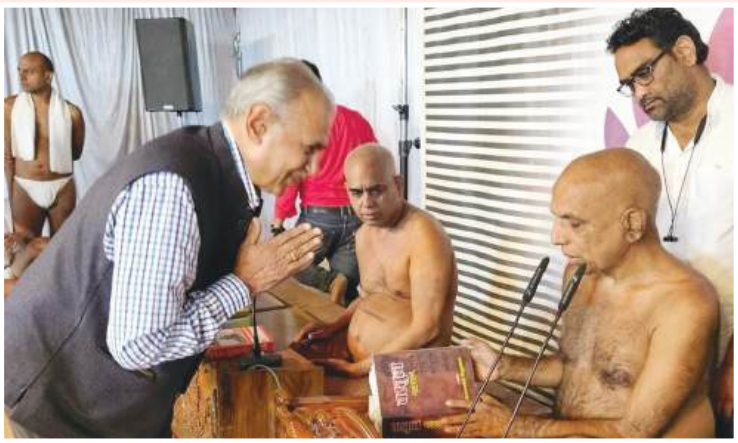

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

इंदौर। पट्टाचार्य चर्या शिरोमणि शताब्दी देशना चार्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा रचित काव्य कृति वस्तुत्व महाकाव्य कृति के प्रकाशक एवं पुण्यार्जक टी के वेद (पूर्व सेल टैक्स कमिश्नर) ने नेमी नगर जैन कॉलोनी में विराजित गुणायतन प्रणेता और भावना योग प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्हें लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उल्लिखित 1100 पृष्ठ के वस्तुत्व महाकाव्य की प्रति भेंट की धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस महाकाव्य में धर्म और अध्यात्म के विविध विषयों पर 1200 कविताएं प्रकाशित हैं।

बदलते समाज में महिलाओं की भूमिका

समाज एक सतत परिवर्तनशील इकाई है, और इसके विकास में महिलाओं की भूमिका अनमोल है। समय के साथ-साथ महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जो न केवल समाज के विकास को दशार्ता है, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर और सशक्त होने की कहानी भी बताता है।

इतिहास में महिलाओं की भूमिका

भारत जैसे देश में, महिलाओं को हमेशा से ही सम्मान और गौरव का स्थान दिया गया है। प्राचीन काल में, गार्गी, मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान के क्षेत्र में योगदान दिया, जबकि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और सरोजिनी नायडू जैसी महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

वर्तमान समय में महिलाओं की स्थिति

आज का समाज बदल रहा है। महिलाएँ अब केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं। वे शिक्षा, व्यवसाय, विज्ञान, राजनीति, कला और खेल जैसे हर क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। उदाहरण के लिए:

राजनीति में योगदान: निर्मला सीतारमण और सुषमा स्वराज जैसी महिलाएं नेतृत्व में मिसाल पेश कर रही हैं।

खेल में सफलता: मिताली राज, सायना नेहवाल, और पीवी सिंधु ने वैश्विक स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

शिक्षा और विज्ञान में प्रगति: कल्पना चावला और गीता गोपीनाथ जैसी महिलाओं ने दिखाया है कि कोई भी क्षेत्र महिलाओं के लिए अछूता नहीं है।

समस्याएं और चुनौतियां

हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद, महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:

1. लैंगिक असमानता: समान कार्य के लिए समान वेतन और अवसर अभी भी एक बड़ी समस्या है।

2. सुरक्षा: महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज को और जागरूक होने की आवश्यकता है।

3. परंपरागत सोच: कुछ क्षेत्रों में अभी भी महिलाएं पितृसत्तात्मक सोच और भेदभाव का शिकार हैं।

महिला सशक्तिकरण के प्रयास

सरकार और समाज दोनों ही महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

1. शिक्षा का अधिकार: बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

2. योजनाएं और कानून: ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' अभियान, महिलाओं के लिए आरक्षण, और घरेलू हिंसा कानून महिलाओं को समर्थन प्रदान कर रहे हैं।

3. आर्थिक सशक्तिकरण: स्वयं सहायता समूह, स्टार्टअप योजनाएं और डिजिटल प्लेटफॉर्म महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

भविष्य में महिलाओं की भूमिका

बदलते समाज में महिलाओं की भूमिका सिर्फ एक बदलाव नहीं, बल्कि एक नई दिशा की ओर बढ़ते समाज का प्रतीक है। महिलाओं की भागीदारी से समाज अधिक न्यायसंगत, प्रगतिशील और सशक्त बनता है। आने वाले समय में, महिलाएं न केवल समाज का नेतृत्व करेंगी, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेंगी।

निष्कर्ष

बदलते समाज में महिलाओं की भूमिका को समझना और सम्मान देना अत्यावश्यक है। उनके बिना समाज का संतुलन और विकास संभव नहीं। इसलिए, हमें न केवल उनकी उपलब्धियों को सराहना चाहिए, बल्कि हर स्तर पर उनके लिए समान अवसर सुनिश्चित करने चाहिए। एक सशक्त महिला, एक सशक्त समाज की नींव होती है।

अनिल माथुर
जोधपुर (राजस्थान)

जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 का क्षेत्रीय महिला सम्मेलन संपन्न

सशक्त नारी सशक्त समाज विषय पर रखे अपने विचार

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर । जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 की महिला जैन मिलन भगवानगंज के तत्वावधान में क्षेत्रीय महिला सम्मेलन आदर्श गार्डन मोती नगर सागर से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समारोह गौरव राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन गुना, मुख्य अतिथि अतिवीर कमलेंद्र जैन राष्ट्रीय मंत्री, मा. लता वानखेड़े सांसद सागर, मा. शैलेन्द्र जैन विधायक सागर, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंदाकिनी पांडे

महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सागर,सुश्री विनीता एस डी एम निवाड़ी , लवली सोनी एसडीओपी सागर, दिगंबर जैन महिला परिषद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जैन महिला परिषद, क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया, क्षेत्रीय मंत्री कविता ऋषभ जैन दमोह कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरांगना अनुश्री जैन प्रदेश उपाध्यक्ष लीगल राइट्स काउंसलिंग उपाध्यक्ष ने की।मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलन एवं महावीर वंदना के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।स्वागत नृत्य महिला मिलन की सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन ममता जैन राष्ट्रीय संयोजिका एवं वीरांगना सुनीता पड़वार शाखा अध्यक्ष ने किया, आभार क्षमा डबडेरा ने माना। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का सम्मान किया गया एवं मंचासीन वरिष्ठ महिलाओं का नारी शक्ति गौरव से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नेहानगर, सुभाष नगर, कटरा, बड़ा बाजार, बरौदिया, रंजवास, मालथौन, खिमलासा गढ़ाकोटा, दमोह से आई हुई सभी शाखों का सम्मान किया गया। लकी ड्रा के माध्यम से उपस्थित जन समुदाय को मंच तक लाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. सांसद लता वानखेड़े ने कहा कि आज मंच पर विराजमान विशिष्ट महिला वर्ग, इस बात का प्रमाण है कि नारी समाज का सम्मान आज भी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा की नारी शक्ति की अमर कहानी हमेशा हम लोग सुनते आ रहे हैं इंदौर की अहिल्याबाई, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई,रानी दुर्गावती यह सभी, नारी शक्ति की पहचान है भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना ने नारी बेटी है, मां है, पत्नी है,और भारतीय संस्कृति की पहचान नारी है इस देश ने में नदियों को भी नारी का नाम दिया गया है नारी सम्मान से ही हमारी पहचान है सशक्त नारी सशक्त समाज आज के कार्यक्रम मैं उपस्थित नारी शक्ति इसका उदाहरण है। राष्ट्रीय मंत्री एडवोकेट कमलेंद्र जैन ने कहा भारतीय जैन मिलन की देश नहीं विदेश में 1500 से ज्यादा शाखाएं हैं महिलाओं के लिए अलग से शाखा रहती है और उनके द्वारा आयोजित गतिविधियां देशभर में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करती हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वीरांगना ममता , कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जिनेश बहरोंल, संजय शक्कर , मनीष शास्त्री मीडिया प्रभारी ,राष्ट्रीय संयोजक वृषभ जैन स्टेशन मास्टर दमोह राष्ट्रीय संयोजिका वीरां अनीता कमलेंद्र,वीरां संगीता चंदेरिया, वीरा संगीता पड़ेले वीरा साक्षी सराफ, वर्षा जैन, क्षमा दबदेरा ,दीप शिखा, हिमांशी, सपना जैन ,नीलम जैन, शिल्पी जैन, ज्योति, अलका दिवाकर, साक्षी जैन आदि शामिल रहे।

मानसरोवर इंजीनियर्स कॉलोनी में: दो दिवसीय नवीन वेदी शिलान्यास समारोह आज गुरुवार से

बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और जिनेश भैया के निर्देशन में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व की सबसे बड़ी कॉलोनियों में शुमार मानसरोवर के न्यू सांगानेर रोड़ स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के नवनिर्मित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गुरुवार से दो दिवसीय नवीन वेदी शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन प्रारंभ किया जाएगा। इस मंदिर का निर्माण गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न सुपार्श्वमती माताजी और गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती की मंगल प्रेरणा एवं आशीर्वाद से किया जा रहा है। कमलचंद छाबड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को शाम 7.30 बजे से णमोकार जाप्यानुष्ठान और भक्तामर स्त्रोत पाठ से शिलान्यास समारोह प्रारंभ किया जाएगा जिसमें इंजीनियर्स कॉलोनी के समाजबंधु सहित मानसरोवर, टोंक रोड़, प्रताप नगर, श्याम नगर, दुगार्पुरा से भी बड़ी संख्या में समाजबंधु सम्मिलित होगे। शुक्रवार को दूसरे दिन प्रातः 9 बजे से नवीन वेदी भूमि का मंत्रोच्चार और अष्टद्रव्यों के साथ शिलान्यास किया जाएगा, जिसमें श्रेष्ठी परिवारजनों द्वारा स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं की नींव बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री (गुड़गांव) और जिनेश भैया (चीकू) के निर्देशन में स्थापित की जाएगी। इस दौरान अशोक जैन खेड़ली वाले, सीए मनीष छाबड़ा, सपन छाबड़ा, रवि छाबड़ा, मयंक जैन, अनिल जैन बोहरा, मनीष जैन, महावीर जैन, गौरव जैन, अभिषेक जैन बिट्टू, प्रमोद बाकलीवाल, जेके जैन, पुष्पेंद्र जैन, अशोक जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित होंगे।

"भक्ति रस में झूम उठी संगिनी मैन उदयपुर की सखियां"

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी संगिनी मैन उदयपुर द्वारा हिरणमगरी सेक्टर 4 स्थित शांतिनाथ जिनालय मंदिर प्रांगण पर बड़े ही उत्साह व हर्षोल्लास के साथ प्रभु भक्ति का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि संगिनी मैन उदयपुर की सदस्याओं के उत्साह को देखते हुए प्रतिमाह विभिन्न मन्दिर प्रांगण में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें सभी संगिनी सदस्याओं को अपने जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया जाता है। उपस्थित सभी सदस्यों ने शांति नाथ प्रभु जी की आरती का लाभ लिया। आरती के पश्चात सदस्याएं तबला वादन के साथ भक्ति की रस धारा में झूम उठी। प्रभु भक्ति की लाभार्थी ग्रुप सदस्य शशि जैन की ओर से प्रभावना वितरित की गई। इस कार्यक्रम को सुव्यवस्थित संपादित करवाने में श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ हिरण मगरी सेक्टर 4 के सचिव अशोक नागोरी का सहयोग रहा। लगभग 70 सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राजकीय रामचंद्र खैतान पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जयपुर में लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर सेमिनार का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था, रूवा जयपुर व राजकीय रामचंद्र खेतान पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 नवंबर 2024, मंगलवार को लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर राजकीय रामचंद्र खेतान पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें रूवा की अध्यक्ष डॉक्टर शशीलता पुरी, उपाध्यक्ष प्रो बीना अग्रवाल, रूवा महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, अशोकनगर की संयोजिका प्रोफेसर प्रेरणापुरी और सयुंक्त सचिव रूवा डॉ प्रिया ने विद्यार्थियों को लैंगिक संवेदनशीलता एवं महिलाओं से जुड़े सामाजिक मानदंडों के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत उदबोधन में महाविद्यालय प्रधानाचार्य विनोद कुमार जांगिड़ ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा छात्रों को समाज में लैंगिक समानता हेतु अपनी भागीदारी देने के लिए प्रोत्साहित किया। रूवा अध्यक्ष डॉ शशीलता पुरी ने रूवा का परिचय देते हुए लैंगिक संवेदनशीलता पर अपने विचार व्यक्त किये। रूवा उपाध्यक्ष प्रोफेसर बीना अग्रवाल ने बताया कि महिलाओं के साथ भेदभाव प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से हमारे समाज में व्याप्त है, जिसमें बदलाव की पहल युवाओं की ओर से होनी चाहिए। उनके द्वारा विद्यार्थियों को लैंगिक समझ से संबंधित प्रश्नावली भी दी गई। रुवा संयुक्त सचिव डॉ प्रिया ने डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के माध्यम से विद्यार्थियों को सजग किया। संस्थान में कार्यरत श्रीमती निधि यादव व डॉ पूनम यादव ने मंच का संचालन किया। संस्थान की ओर से रुघाराम पंवार, नीतिका मीना व श्रीमती रेनू शुकल सेमिनार में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रूवा द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के पेम्पलेट वितरित किए गए।

हाथ छोटे हो सकते हैं, हिम्मत छोटी नहीं हो सकती

नागपुर. शाबाश इंडिया। हाथ छोटे हो सकते हैं, पर हिम्मत छोटी नहीं हो सकती। यह उद्गार भारत गौरव अंतर्मना तपाचार्य प्रसन्नसागर ने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल मंदिर, जूनी शुक्रवारी में व्यक्त किए। अंतर्मना तपाचार्य प्रसन्नसागर के चतुर्विध संघ की अगवानी मंगलवार को हुई। बैद्यनाथ चौक से निकलकर ऊंटखाना चौक, सम्राट अशोक चौक से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन खंडेलवाल मंदिर, जूनी शुक्रवारी में बाजे-गाजे के साथ प्रवेश हुआ। सान्निध्य क्षुल्लिकारत्न विस्मिताश्री एवं विगम्या श्री माताजी का रहा। आचार्य प्रसन्नसागर महाराज के संघ सान्निध्य एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय मुनिश्री पीयूषसागर महाराज के कुशल निर्देशन में आगे का मंगल प्रवास होने ने जा रहा है। आचार्य प्रसन्नसागर ने कहा कि आचार्य के चरण मिल गए, तो चारों धाम मिल गए। मौत कभी भी आ सकती। तपावार्थ प्रसन्नमार जी संघ साथ हुआ प्रवेश का कोई भरोसा नहीं कभी भी रुक सकती है। जैन कुल में जनम लेना सरल है पर जैन होकर मरना बहुत कठिन है। जैसा करम करोगे वैसा भोगना ही पड़ेगा। हम हाजिर हो गए सहजसागर महाराज ने कहा कि 2015 के चातुर्मास में भी नागपुर में पारसनाथ भगवान की आराधना में रत थे। आज फिर से उन्होंने बुलाया तो हम हाजिर हो गए। क्षुल्लिकारत्न विस्मिता श्री माताजी ने बताया कि वैराग्य में आचार्य प्रसन्नसागर कैसे प्रेरणास्त्रोत रहे। बुधवार, 27 नवंबर को सुबह जिनाभिषेक नागदा मंदिर आदि की देव वंदना, दोपहर 3.30 बजे सदर में मंगल प्रवेश। शाम 6.15 बजे गुरु भक्ति, आनंद यात्रा, मंगल आरती आदि होंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com